शब्द–ब्रह्म
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
E ISSN 2320 – 0871
17 सितम्बर 2017
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

भाषा प्रयोगशाला का शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

पूनम गुप्ता (शोधार्थी)
डॉ.ऋषिकेश मिश्रा (शोध निर्देशक)
जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी
जयपुर, राजस्थान, भारत

शोध संक्षेप

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी.एड. के विद्यालयों में भाषा प्रयोगशाला के अभ्यास के दौरान कमियों और खूबियों को पहचाना गया, ताकि इस भाषा प्रयोगशाला को ज्यादा से ज्यादा उपयोगी एवं सफल बनाया जा सके। विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से यह मुख्य निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि बीएड. के विद्यालयों के पश्चात् यहाँ भाषा प्रयोगशाला के विभिन्न परीक्षणों का शिक्षा कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया गया। शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि का स्तर अच्छा पाया गया। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध हेतु दिल्ली शहर के गुरूगोबिंद सिंह इन्दप्रस्थ विश्वविद्यालय के 14 महाविद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। इन महाविद्यालयों के 280 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया, जिसमें 140 शहरी व 140 ग्रामीण है।

प्रस्तावना

शैक्षिक उपलब्धि शिक्षा का श्रदृश्य प्रक्रिया है। शिक्षा प्रक्रिया के द्वारा छात्रों के व्यवहार में कुछ पूर्व निर्धारित संशोधन करने का प्रयास किया जाता है। शिक्षा प्रक्रिया में संलग्न व्यक्ति विभिन्न स्तरों के छात्रों के लिए शिक्षण उद्देश्य निर्धारित करते हैं तथा इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षण अधिगम क्रियाओं का आयोजन करते हैं। शैक्षिक सम्प्राप्ति से तात्पर्य इन शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति से है। छात्रों से शैक्षिक उद्देश्यों को किस सीमा तक प्राप्त किया है यही उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बताता है।

शोध का औचित्य एवं महत्व

लेखन कार्य आज के युग में सबसे जटिल समस्या है। इससे छात्रों में त्रुटियों का होना संभव है। इसलिए अध्यापकों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली विधियों तथा तकनीकों का प्रयोग एवं उनकी प्रभावशीलता को देखना आवश्यक है। आज के युग में नई-नई तकनीकों का निर्माण हुआ है जिसकी वजह से शिक्षण तकनीक में परिवर्तन हुआ है। इसलिए प्रौद्योगिकी संसाधन हर विश्वविद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिए आवश्यक है। कुमार अनिल (2011)**1** ने ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव का अध्ययन किया। गुप्ता तारकेश्वर (2012)**2** ने बी.एड. विद्यार्थियों का प्रशिक्षण के प्रति शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन किया। कुमार पवन (2013)**3** ने उच्च माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति एव शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। देवगन प्रवीन व तोम रेनू (2013)**4** ने उच्च प्राथमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं

स्वभाव के प्रभाव का अध्ययन किया। पाटिल सुरेखा बी.उप्पल, निशी (2014)5 ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिक्षमता का उसके गणित में शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया। सिंह इन्द्रजीत (2015)6 ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता, आत्मसम्मान एवं कुंठा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया। शैक्षिक उपलब्धि के क्षेत्र में विश्व के विभिन्न देशों में अध्ययन का पुनरावलोकन हुआ। इसलिए एनसी.टी.ई. ने सभी विश्वविद्यालयों में भाषा प्रयोगशाला को अनिवार्य बनाया गया है। जिससे शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का सही विकास हो सके।

क्या भाषा प्रयोगशाला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में उन्नयन करती है। इन प्रश्न का उत्तर पाने के लिए शोध समस्या का चयन किया गया है।

समस्या कथन

भाषा प्रयोगशाला का शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध उद्देश्य

भाषा प्रयोगशाला का शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का निम्न के सन्दर्भ में अध्ययन करना।

क्षेत्र के आधार पर

विषय के आधार पर

लिंग के आधार पर

शोध परिकल्पना

भाषा प्रयोगशाला का शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का निम्न के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्षेत्र के आधार पर

विषय के आधार पर

लिंग के आधार पर

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या - प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा गुरु गोबिंद सिंह इन्दप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली शहर में महाविद्यालयों की संख्या 25 है। जिसमें अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को जनसंख्या के रूप में चुना गया है। जिसकी कुल जनसंख्या 2530 है।

शोध न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली शहर के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के 280 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया है।

शोध उपकरण - शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के बी.एड. के प्रथम सेमेस्टर का प्राप्तांक

सांख्यिकीय विधि - प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण हेतु टी-परीक्षण सांख्यिकीय विधि का प्रयोग किया गया है।

सारणी 1

शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	61.44	3.48	3.06
2.	ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	60.19	2.22	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि क्षेत्र के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 3.06 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी तालिका मूल्य के .05 स्तर से अधिक है। अतः स्पष्ट है कि शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर है।

सारणी 2

विज्ञान एवं कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	61.66	2.78	4.97
2.	कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	59.96	2.94	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि विषय के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 4.97 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी तालिका मूल्य के .05 स्तर से अधिक है। अतः स्पष्ट है कि विज्ञान एवं कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में विषय के आधार पर सार्थक अन्तर है।

सारणी 3

पुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	61.06	2.59	1.04
2.	महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	140	60.56	3.32	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि लिंग के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 1.04 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी तालिका मूल्य के .05 स्तर से कम है। अतः स्पष्ट है कि पुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के

शैक्षिक उपलब्धि में लिंग के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी 4

शहरी पुरूष एवं ग्रामीण पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	शहरी पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	61.83	2.91	3.64
2.	ग्रामीण पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	60.03	1.96	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि क्षेत्र के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 3.64 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी तालिका मूल्य के .05 स्तर से अधिक है। स्पष्ट है कि शहरी एवं ग्रामीण पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर है।

सारणी 5

शहरी महिला एवं ग्रामीण महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	शहरी महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	61.06	3.95	1.77
2.	ग्रामीण महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	60.03	2.47	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि क्षेत्र के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 1.77 प्राप्त हुआ है यह मूल्य टी-तालिका मूल्य के .05 स्तर से कम है। अतः स्पष्ट है कि शहरी महिला एवं ग्रामीण महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी 6

शहरी विज्ञान एवं ग्रामीण विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	शहरी विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	62.81	2.97	5.35
2.	ग्रामीण विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	60.51	2.03	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि क्षेत्र के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 5.35 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी-तालिका मूल्य के

.05 स्तर से अधिक है। अतः स्पष्ट है कि शहरी विज्ञान एवं ग्रामीण विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर है।

सारणी 7

शहरी कला वर्ग एवं ग्रामीण कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	N	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मूल्य
1.	शहरी कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	60.07	3.44	0.43
2.	ग्रामीण कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	70	59.86	2.37	-

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मतानुसार निष्कर्ष निकलता हैं कि क्षेत्र के आधार पर गणना करने पर टी-मूल्य 0.43 प्राप्त हुआ है। यह मूल्य टी-तालिका मूल्य के .05 स्तर से कम है। अतः स्पष्ट है कि शहरी कला वर्ग एवं ग्रामीण कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

शैक्षिक निहितार्थ

1 प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों से शिक्षा नीति निर्धारकों को शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए नीति निर्धारित करने में सहायता मिलेगी।

2 प्रस्तुत अध्ययन से शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की समस्याओं को ध्यान में रखकर भाषा प्रयोगशाला के क्रियान्वयन को और अधिक सबल बनाने में सहायता मिलेगी।

3 नए शिक्षकों को भाषा प्रयोगशाला का पर्याप्त प्रशिक्षण से उनके शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने में और अधिक सहायता मिलेगी।

4 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मौखिक अभिव्यक्ति के लिए आत्मविश्वास विकसित करने में सहायता मिलेगी।

5 महाविद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने की शिक्षा मिलेगी।

भावी शोध हेतु सुझाव

1 अध्ययन के दौरान यह देखा गया कि कई विद्यालयों के भाषा प्रयोगशाला में पढ़ाने वाले अनुदेशक अर्द्धप्रशिक्षित अथवा अप्रशिक्षित थे। अतः भाषा प्रयोगशाला से जुड़े अनुदेशकों को समुचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। जिससे कि वे विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर बना सके।

2 भाषा प्रयोगशाला की मॉनीटरिंग व्यवस्था अधिक सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है इसके लिए कॉलेज, संस्थान एवं विश्वविद्यालय स्तर पर मानीटरिंग दल बनाया जाना चाहिए, जो लगातार भाषा प्रयोगशाला की मानीटरिंग कर के इसकों बेहतर बनाए।

3 भाषा प्रयोगशाला की स्थापना हर कालेज में की जानी चाहिए, जिससे कि अधिक से अधिक शिक्षक प्रशिक्षणार्थी इसका लाभ उठा सकें। वह अपनी भाषा का सर्वांगीण विकास कर सके।

4 भाषा प्रयोगशाला का अधिक से अधिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिससे शिक्षक प्रशिक्षणार्थी के शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हो सके और पढ़ने-लिखने के बाद किसी आय उपार्जक व्यवस्था से जुड़ सके तथा अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सके।

5 भाषा प्रयोगशाला के अन्तर्गत स्थापित ज्ञानघरों एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थापित सतत शिक्षा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण किया जाना चाहिए। इन केन्द्रों की स्थापना उचित स्थान पर उपयुक्त भवन में की जानी चाहिए, ताकि शिक्षक प्रशिक्षणार्थी उनका उपयोग कर सकें।

भावी शोध हेतु अध्ययन

1 अन्य शोध में अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को लिया जा सकता है।

2 भाषा प्रयोगशाला के प्रभाव का छात्र व छात्राओं के भाषा कौशल का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

3 भावी शोध हेतु अन्य चर को लिया जा सकता है।

4 भाषा प्रयोगशाला का उच्चत्तर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शिक्षण कौशल में प्रशिक्षण का अध्ययन किया जा सकता है।

5 भाषा प्रयोगशाला के प्रभाव का भाषा विकास और व्यक्तित्व गुणों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

6 भावी शोध हेतु निम्न स्तर पर के विद्यार्थियों पर किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 कुमार, अनिल, (2011).ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव का अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय जनरल वराणसी, वाल्यूम 25, पृष्ठ 354-363

2 गुप्ता, तारकेश्वर,(2012).बी.एड.विद्यार्थियों का प्रशिक्षण के प्रति शैक्षिक अभिवृत्ति का अधययन, भारतीय आधुनिक शिक्षा, अंक 3, जनवरी 2014, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली, पृष्ठ संख्या 45-54

3 कुमार, पवन,(2013).उच्च माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन, पीएच.डी. थीसिज, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जयपुर

4 देवगन, प्रवीन एवं तोमर, सिंह रेनू(2013).उच्च प्राथमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं स्वभाव के प्रभाव का अध्ययन, भारतीय आधुनिक शिक्षा, अंक-4, अप्रैल-2013, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली-110016, पृष्ठ संख्या77-98

5 पाटिल, सुरेखा, बी. एवं उप्पल निशी,(2014).कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिक्षमता का उसके गणित में शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन, जनरल आॅफ एजूकेशन एण्ड साइक्लोजीकल रिसर्च वॉल्यूम-4, जून 2014, पृष्ठ संख्या162

6 सिंह इन्द्रजीत,(2015).माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता, आत्ममान एवं कुण्ठा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन, शिक्षक अन्तर्दृष्टि पत्रिका, जनवरी-अप्रैल-2015, पृष्ठ संख्या1